

SUMMARY TRIAL UNDER SECTION 263 OR 264 OF THE CRIMINAL PROCEDURE CODE, 1898 V-190/CR.J.(e)  
in the court of.....  
Case No. .... Class.....  
Complaint or report made on.....

Name and address of the Complainant.....Bhagwan Chandra D.

Name, parentage, caste and address of accused

The offence complaint of its alleged commission.

आपने दिनांक 24.3.17 को समय 21.20 बजे स्थान जुड़ नं-12 फ़रक  
इली इराव पर बिना किसी वैध अनुज्ञा पत्र के 65 म्पाइर  
 जो मोप्र0 आबकारी अधिनियम की धारा 34 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध होकर इस न्यायालय के  
 संज्ञान में है।

The plea of the accused and his examination (if any)

अपराध स्वीकार है माफ किया जाये।

2

~~12~~

पंकज शर्मा  
न्यायिक सचिव प्रथम श्रेणी  
गोहद, जिला-भिण्ड (म.प्र.)

The Offence proved, if any and in case clause(d), clause(f), clause(g) or subsection(i) of section 260 the value of the property in respect of which of which the offence has been committed.



(निर्णय)

(आज दिनांक 27-10-17 को घोषित)

1. आरोपी/गण के विरुद्ध धारा 342A भादवा के अपराध के आरोप हैं।
2. आरोपी/गण ने उक्त आरोप स्वेच्छापूर्वक स्वीकार किया/किए हैं।
3. आरोपी/गण की स्वेच्छा अभिस्वीकृति के आधार पर आरोपी/गण को धारा 34 भादवा के अपराध में सिद्धदोष ठहराया जाता है। अतः उक्त अपराध के लिए न्यायालय उठने तक की सजा एवं आरोपी/गण को 1500/- अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है। अर्थदण्ड अदा ना करने की दशा में 15 दिवस का साधारण कारावास पृथक से भुगतना होगा।
4. प्रकरण में जबाशुदा 65 बरटे 2 टिकी भादवा जबर मी

निर्णय खुले न्यायालय में हस्ता 0 व  
दिनांकित कर घोषित किया गया।

27/10/17

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
गोहद जिला भिण्ड

मेरे निर्देश पर टाईप किया।

27/10/17

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी  
गोहद जिला भिण्ड